US professor lauds role of Indian mathematicians

HT Correspondent
htvaranasi@hindustantimes.com

VARANASI: American Mathematical Society president Robert L Bryant on Wednesday said Indian mathematicians made a remarkable contribution to mathematics in the past.

He was speaking at the inaugural function of the international conference of the mathematics consortium at Swatantrata Bhawan, Banaras Hindu University. Nearly 500 delegates from 15 countries are participating in the event.

He said the consortium would provide a vibrant platform for exchanging new ideas and promote research.

In his presidential address, Banaras Hindu University vice chancellor GC Tripathi expressed satisfaction over the close ties between Indian and American mathematicians.

He spoke about challenges before mathematicians. Prof Ravi Kulkarni outlined the need for formation of consortium and said many Indian societies had already joined it. Representatives of the Ramanujan Mathematical Society and the Calcutta Mathematical Society spoke about the aims and working of their societies.

Robert L Bryant addressing the lindian mathematics confe rence at BHU on Wednesday.
ADARSH GUPTA/HT PHOTO

Two mathematicians honoured

HT Correspondent
htvaranasi@hindustantimes.com

VARANASI: Noted mathematicians R Narsimha (Bangalore) and IBS Passi (Chandigarh) were honoured for their contribution to mathematical sciences on the second day of the International Conference of the Indian Mathematics Consortium at Banaras Hindu University on Thursday.

Speaking at the event, Passi said, "The coming years will see a marked improvement in research and training in mathematics in India. Students from abroad would aspire to take up research work in India."

Before that, JK Verma (IIT Bombay) introduced Passi and spoke about his contribution to the study of general algebra through his books from the school to the research level.

Narsimha was introduced by professor Karmeshu (Jawaharlal Nehru University) who also spoke about his achievements. Narsimha drew attention to some long- standing problems in mathematics.

Prof Betul Tombay, the first woman president of the Turkish Mathematical Society, took part in the discussion as a panellist.

The event also included the release of the newsletter of The Indian Mathematics Consortium by its editor prof CS Aravinda (TIFR, Bangalore).

A panel discussion on 'women in mathematics: status and outlook' was organised and coordinated by Prof G Venkataraman (Ambedkar University).

विकास-अनुसंधान गणित महत्वपूर्ण

बोले प्रो राबर्ट

बीएचयू में चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ

वाराणसी। विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे जाने के लिए गणित के समक्ष कई चुनौतियां है। जिसका समाधान गणित क्षेत्र में आने वाले युवाओं करना होगा। टेक्नोलॉजी के आवश्यक्ताओं तथा मानव जीवन की जरूरतों को पूरा करने में अब तक गणित विषय और उसकी सभी शाखाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

यह बातें अमेरिकन मैथेमैटिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो.राबर्ट ब्रायण्ट ने कही।

वह चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ पर बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ पर बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व में भारतीय गणितज्ञों के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सम्मेलन युवा गणितज्ञों तथा छात्रों के लिये एक अनुपम स्थान सिद्ध होगा। महत्वपूर्ण है कि बीएचयू में आयोजित इस चार दिवसीय सम्मेलन में 15 देशों के कुल 500 प्रतिभागी शामिल है।

जिनमें 80 विदेशी गणित के विद्वान शामिल हैं। इस सम्मेलन में सात मुख्य लेक्चर होंगे तथा 17 विभिनन चिह्नित अन्तर्विषयी विषयों पर संगोष्ठियां होनी है।

इसके साथ ही 16 दिसम्बर को 'गणित शिक्षा' तथा 15 दिसम्बर को 'गणित में महिलाओं की भूमिका तथा योगदान' विषयक दो समूह चर्चा होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू के उपकुलपति प्रो.जीसी त्रिपाठी, अमेरिकी तथा भारतीय गणितज्ञों के संगम पर संतोष व्यक्त करते हुए गणित की जटिलताओं को सामान्य जन में सुगम बनाने को एक चुनौती बताया।

नवनिर्मित गणितीय कन्सोर्टियम के अध्यक्ष प्रो.रवि ने कन्सोर्टियम को वर्तमान समय की आवश्यकता बतायी।

कन्सोर्टियम का प्रमुख उद्देश्य अंतराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिये एक स्थान बनाना तथा क्षेत्रीय कार्यक्रमों से गणित को सुगम बनाना है। कार्यक्रम का संचालन प्रो.सुषमा त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के संयोजक डॉ.वैंकटेश्वर तिवारी ने किया।

आज
वाराणसी, १५ दिसम्बर, २०१६
वाराणसी

अब कुछ और होगी गणित की कहानी-राबर्ट ब्रायट

अमेरिकन मैथमैटिकल सोसायटी और इण्डियन मैथमैटिकल कनसोडियम के एक साथ मंच पर आने से गणित के क्षेत्र में दुनियां के देशो में हो रहे नये-नये शोधों का लाभ मिलेगा। उम्मीद है कि इन दोनों के जुड़ाव से नई चीजे आयेंगी जो दुनिया के लिए बेहतर होगी। इससे अब गणित के क्षेत्र में दुनियां को आशातित सफलता मिलेगी। यह बात काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के गणित विभाग, इण्डियन मैथमैटिकल कन्सोटिम एवं अमेरिकन मैथमैटिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि अमेरिकन मैथमैटिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रोफेसर राबर्ट ब्रायट ने कही।

बीएचयू में चार दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय मैथमैटिकल संगोष्ठी उद्घाटित

उन्होंने भारतीय गणितज्ञों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मेलन युवा गणितज्ञों तथा छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू के वाइसचांसलर प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि गणित की जटिलताओं को सामान्य जन के लिए सुगम बनाने की बहुत बड़ी चुनौती है। भारतीय गणितीय कन्सोर्टियम के अध्यक्ष प्रोफेसर रवि कुलकर्णी ने कन्सोर्टियम को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर स्थान बनाने के साथ ही गणित को सुगम बनाना है। समारोह का संचालन प्रोफेसर सुषमा त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डाक्टर वैंक्टेश्वर तिवारी ने दिया।

अन्तरराष्ट्रीय मैथमेटिकल संगोष्ठीको सम्बोधित करते वक्ता। छाया : आज

गणित के सामने नहीं दिखायी देता पैसा- प्रोफेसर ए.पी. सिंह

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के गणित विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय अमेरिकन मैथमैटिकल सोसायटी की अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत करने आये केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एपी सिंह ने कहा है कि गणित के सामने पैसा दिखाई नही देता, इसलिए छात्रों का गणित की तरफ सम्मान अपेक्षाकृत कम है। गणित विषय में क्रमवार हर चीज को समझने का क्रम टूटने के कारण भी छात्रों में गणित के प्रति रूचि घट रही है। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि गणित तो सामान्यता दिखाई नही देती, लेकिन गणित हर जगह विद्यमान है। सड़क पार करते समय भी गणित की जरूरत है। यदि सड़क पार करते समय गणित में फेल हुए तो दुर्घटना निश्चित है। हर कार्य में गणित की भूमिका महत्वपूर्ण है। गणित जीवन जीने की शैली भी देता है।

पहाड़ा के सवाल पर प्रोफेसर सिंह ने बताया कि पहाड़ा रटने से स्मृति तीव्र होती है। स्मृति और तर्क ही गणित का पायदान होता है।

गणित ही दिखायेगा खुशाहली की राह-प्रोफेसर सक्सेना

देश के विकास के क्षेत्र में यदि गणित का सही उपयोग किया जाय तो देश तरक्की करेगा। गणित और कम्प्यूटर विज्ञान के समन्वय से वर्तमान दौर में गणित की तरफ युवाओं में तेजी से रूझान बढा है। यह बात काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के गणित विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय अमेरिकन मैथमैटिकल अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने आये जिवाजी विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व वाइसचांसलर प्रोफेसर विनोद पी सक्सेना ने आज समाचार पत्र से औपचारिक बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने बताया कि अध्यापन, अभ्यास और अध्ययन गणित के आधार स्तंभ है। इसके अभाव में लोग गणित से दूर हो रहे है। गणित के क्षेत्र में चिंतन की प्रक्रिया का विकास नहीं होना चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरी दुनिया में गणित के जनक रामानुजम की पहले सिर्फ जयंती ही मनाई जाती रही है। लेकिन अब ऐसा नही है। रामानुजम के गणित के सिद्धांत पूरी दुनियां में प्रासंगिक हो गई है जो वर्तमान समय की मांग है।

गणित में भारत का बड़ा योगदान

» BHU में गणित पर चार दिवसीय इंटरनेशनल कान्फ्रेंस की शुरुआत

» 15 देशों के 500 से अधिक गणितज्ञ हो रहे हैं शामिल

varanasi@inext.co.in

VARANASI (14 Dec): गणित एक ऐसा सब्जेक्ट है जो सीधे हमारे सामान्य जीवन से जुड़ा है. बीएचयू में गणित पर चार दिनों के इस सम्मेलन में युवा गणितज्ञों को बहुत कुछ सीखने व समझने को मिलेगा. यह बातें बुधवार को अमेरिकन मैथेमैटिकल सोसायटी के उद्घाटन समारोह में बतौर चीफ गेस्ट कही. स्वतंत्रता भवन में हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय गणितज्ञों ने गणित को बहुत कुछ दिया है. उनके द्वारा इस क्षेत्र में किया गया काम अपने आप में खास है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू के वीसी प्रो. जीसी त्रिपाठी ने अमेरिकी और भारतीय गणितज्ञों के इस संगम पर संतोष व्यक्त करते हुए गणित की जटिलताओं को सामान्य जन में सुगम बनाने को एक चुनौती बताया. नवनिर्मित गणितीय कन्सोर्टियम के अध्यक्ष प्रो. रवि कुलकर्णी ने कन्सोर्टियम को वर्तमान समय की जरूरत बताया. उन्होंने कहा कि कन्सोर्टियम का प्रमुख उद्देश्य इंटरनेशनल कार्यक्रमों के लिये एक स्थान बनाना तथा क्षेत्रीय कार्यक्रमों द्वारा गणित को सुगम बनाना है. कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुषमा त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कान्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर डॉ वेंकटेश्वर तिवारी ने किया. बताते चलें कि इस चार दिवसीय सम्मेलन में 15 देशों के कुल 500 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं. जिनमें 80 विदेशी गणितज्ञ शामिल हैं. इस सम्मेलन में सात मुख्य लेक्चर होंगे तथा 17 विभिन्न अन्तर्विषयी विषयों पर सेमिनार होंगे. इसके साथ ही 16 दिसम्बर को 'गणित शिक्षा' तथा 15 दिसम्बर को 'गणित में महिलाओं की

...ख्यान माला १७ को

कै...

एट...

VAR... सुंदरल... पेशेंट्स... है. म... अब इ... जा रही... तीसरे... ओपीडी... अभी...

गणित में शून्य भारत की खोज

वाराणसी : बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अमेरिकन मैथेमैटिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. राबर्ट ब्रायण्ट ने कहा कि भारत ने गणित के क्षेत्र में बहुत बेहतर काम किया है। शून्य भी भारत की ही खोज है। अब जरूरत है कि गणित को रिसर्च एवं बेहतर कार्य के माध्यम से आम लोगों के लिए बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि अब भारत और अमेरिका गणित के क्षेत्र में जो भी काम करेंगे उसका आदान-प्रदान किया जाएगा। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी ने कहा कि अमेरिकी तथा भारतीय गणितज्ञों के लिए गणित की जटिलताओं को सामान्य जन में सुगम बनाना एक चुनौती है।

- बीएचयू में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

संयोजक डा. वेंकटेश्वर तिवारी ने दावा किया कि कार्यक्रम में 15 देशों के कुल 500 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, जिनमें 80 विदेशी गणितज्ञ भी हैं। बताया कि इस दौरान सात मुख्य लेक्चर व 17 विभिनन चिह्नित अंतर्विषयी विषयों पर संगोष्ठियां भी होंगी। इसके साथ ही 16 दिसंबर को 'गणित शिक्षा' तथा 15 दिसंबर को 'गणित में महिलाओं की भूमिका तथा योगदान विषयक दो समूह चर्चा आयोजित की जाएगी। इस मौके पर विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. एके श्रीवास्तव, प्रो. उमेश सिंह आदि मौजूद थे। संचालन प्रो. सुषमा त्रिपाठी ने किया।

बीएचयू में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. राबर्ट।

अभ्यास, अध्ययन व अध्यापन से आसान होगी गणित

अगर गणित को आसानी से समझना है तो उसके प्रति अभ्यास, अध्ययन व अध्यापन को बेहतर करना होगा। साथ ही गणित को तकनीक, कंप्यूटर के साथ लेकर चलना होगा तभी युवा पीढ़ी इसके प्रति आकर्षित होगी। यह कहना है द मैथेमेटिक्स कन्सोर्टियम के अध्यक्ष प्रो. रवि कुलकर्णी, प्रो. कामेशु व महासचिव प्रो. वीपी सक्सेना का। वे बुधवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से इतर मीडिया से बातचीत में बोल रहे थे। गणितज्ञों ने कहा कि गणित के तीन सूत्र अभ्यास, अध्ययन व अध्यापन हैं। उन्होंने सलाह दी कि पुरानी गणित को कंप्यूटर से जोड़ने की जरूरत है।

वहीं रामानुजन मैथमेटिक्स सोसाइटी के अकादमी सचिव व राजस्थान केंद्रीय विवि प्रो. एपी सिंह ने कहा कि पहले मजबूरी थी कि बच्चे पहाड़ा याद करें, लेकिन अब इससे काम नही चलने वाला है। अब कंप्यूटर का जमाना है और बिना इसके गणित को आधुनिक नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि पहाड़ा ब्रेन की मेमोरी को साफ करने के लिए याद किया जा सकता है। अगर मेमोरी के साथ नई तकनीक का मिश्रण हो तो गणित के क्षेत्र में भी काफी पैसा है। गणित दिखाई नहीं देता लेकिन हर जगह उसकी उपस्थिति है। आज आइआइटी, मेडिकल, पर्यावरण, फाइनेंस आदि क्षेत्र में कॅरियर है। बस इसको सिस्टमेटिक बनाने की जरूरत है।

अंतरगृही परिक्रमा पर आज भी निकले भक्त

साधुबेला आश्रम में कल से श्रीमद्भागवत कथा

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भदैनी स्थित साधुबेला आश्रम के अष्टम पीठाधीश्वर स्वामी हरिनामदास महाराज की 136वीं ...

अस्सी घाट पर गूंजे कोलकाता की अरुणिमा के स्वर

15.12.2016 अमर उजाला

भारत और अमेरिका के सहयोग से होंगे नए शो...

अमेरिकन सोसाइटी और इंडियन सोसाइटी मिलकर करेंगे काम, बीएचयू में गणित पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

वाराणसी। अमेरिकन मैथमेटिक्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. रॉबर्ट ब्रैंड ने कहा कि गणित में भारत में हुए शोध और अध्ययन को काफी सराहा जा रहा है। शून्य का इजाद करने वाले भारत के साथ अमेरिका मिलकर काम करना चाहता है। इसकी कोशिश बहुत दिन से की जा रही है। आज मौका मिला है जब अमेरिकन सोसाइटी और इंडियन मैथमेटिक्स कंसोर्टियम मिलकर गणित के क्षेत्र में मिल कर काम करें। एक दूसरे के यहां गणित में हो रहे रिसर्च वर्क का फायदा दोनों मिलकर उठाएं। उम्मीद है कि इस जुड़ाव से नई चीजें निकल सामने आए जो कि समाजोपयोगी होगी।

बुधवार को स्वतंत्रता भवन बीएचयू में अमेरिक मैथमेटिक्स सोसाइटी और इंडिया मैथमेटिक्स कंसोर्टियम के सहयोग से गणित पर ...

स्वतंत्रता भवन बीएचयू में बुधवार को अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

... विचार रखे। कंसोर्टियम के अध्यक्ष प्रो. रवि कुलकर्णी ने कहा कि देश के ...

... गुणवत्ता को बल मिलेगा। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी ने कहा कि ये गणितज्ञों का सम्मेलन ...

क्रिप्टोग्राफी से डिकोड होते हैं आतंकियों के कोड वर्ड

वाराणसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. बीके दास ने बताया कि आतंकियों के कोड वर्ड को क्रैक करने में गणित की ही भूमिका है। इसे क्रिप्टोग्राफी कहते हैं। कोड वर्ड को डिकोड करना अपने आप में एक अनूठी विधा है जो कि पूरी तरह से गणित पर निर्भर है। इसके लिए गणित की स्पेशल ट्रेनिंग होती है। बीएचयू में हो रहे गणितज्ञों के सम्मेलन में शिरकत करने आए प्रो. दास ने बताया कि गृह मंत्रालय ने मंगलवार की शाम स्मार्टफोन से चार एप्लीकेशंस को डिलीट करने की सलाह दी है। शक जताया गया है कि इन एप्लीकेशंस के जरिये पाकिस्तानी एजेंसियां जासूसी कर रही हैं। सरकार क्रिप्टोग्राफी के जरिये इस जानकारी तक पहुंच पाई है। उनके कोड वर्ड को इंटरसेप्ट यानी अवरोधन करके इस नतीजे पर हम पहुंच पाते हैं। बताया कि क्रिप्टोग्राफी पर भी इस सम्मेलन पर एक पूरा सेशन रखा गया है।

अभ्यास और अध्ययन से बढ़... गणित की समझ...

वाराणसी। रामानुजम मैथमेटिक्स ... के शैक्षणिक सचिव प्रो. एपी सिंह ... कि बच्चों में गणित के प्रति रुचि ... या उसे कठिन विषय मानने के ... बस इतनी है कि हम गणित को ... ढंग से नहीं समझाते। अभ्यास ... से ही गणित को सीखा समझा ... आज हम तकनीकी पर इतना ... है कि जिससे हमारा चिंतन ... है। जाहिर है इससे गणित की ... कठिनाई हो रही है। पहले ... याद कर लिया करते थे। ...

गणित विशेषज्ञ करेंगे मंथन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में चार दिवसीय गणित विशेषज्ञों के सम्मेलन का उद्घाटन बुधवार को अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. राबर्ट ब्रॉयंट ने किया। उन्होंने पूर्व में भारतीय गणितज्ञों के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सम्मेलन युवा गणितज्ञों तथा छात्रों के लिये एक अनुपम स्थान सिद्ध होगा। सम्मेलन में 15 देशों के 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। 80 विदेशी गणितज्ञ शामिल होंगे। सात मुख्य लेक्चर तथा 17 चिह्नित अंतरविषयी विषयों पर संगोष्ठियां भी होंगी। 16 दिसम्बर को 'गणित शिक्षा' तथा 15 दिसम्बर को 'गणित में महिलाओं की भूमिका तथा योगदान' विषयक दो समूह चर्चा होगी।

अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. राबर्ट ब्रायंट ने किया चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी ने अमेरिकी तथा भारतीय गणितज्ञों के संगम पर संतोष व्यक्त कर गणित की जटिलताओं को सामान्यजन में सुगम बनाने को एक चुनौती बताया। नवनिर्मित गणितीय कन्सोर्टियम के अध्यक्ष प्रो. रवि कुलकर्णी ने कन्सोर्टिम को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए इसके दो प्रमुख उद्देश्यों को चिह्नित किया। कन्सोर्टियम का प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिये एक मंच बनाना तथा क्षेत्रीय कार्यक्रमों द्वारा गणित को सुगम बनाना है। संचालन प्रो. सुषमा त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के संयोजक डा. वैंकटेश्वर तिवारी ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि। फोटो : एसएनबी

वरुणापार में आयुक्त आवास के सामने नगर निगम के उद्यानों में किया जायेगा। में प्रदूषण (स्मॉग) बढ़ता है।

युवा गणितज्ञ करें शोध और नई खोज

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बेंगलुरू के प्रख्यात गणितज्ञ प्रो. रोद्दम नरसिम्हा ने युवा गणितज्ञों से नई खोज-शोध करने का आह्वान किया।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में चल रहे गणित विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन प्रो. रोद्दम, चंडीगढ़ के प्रो. आईबीएस पासी को गणित विज्ञान में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया किया। कार्यक्रम में टीआईएमसी की पत्रिका 'भावना' का संपादक प्रो. सीएस अरविंदा व अन्य अतिथियों ने विमोचन किया। 'गणित में महिलाएं' विषय पर पैनल चर्चा में अंबेडकर विवि, दिल्ली की प्रो. गीता वेंकटरमन रही। टर्किश मैथमेटिकल सोसायटी की पहली महिला अध्यक्ष प्रो. बेतुल टमबे, आईआईटी मुंबई के प्रो. जुगल वर्मा, जेएनयू के प्रो. कमेशु, बेंगलुरू के नित्यानंद राव, सुधीर राव, विशाला दत्ता व डॉ. वेंकटेश्वर तिवारी ने विचार रखे। शाम को स्वतंत्रता भवन में सांस्कृतिक संध्या में शास्त्रीय गायिका संगीता पंडित व शिष्याओं ने प्रस्तुति दी।

महापुराण कथा प्रतिदिन मालवीय भवन सभागार में आयोजित की जायेगी।

श्रीमदभगवतपारायण का शुभारंभ करते प्रो. जीसी त्रिपाठी। फोटो : एसएनबी

गणित की चुनौतियों को स्वीकार करें युवा

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू में आयोजित इंडियन मैथेमेटिक्स कंसोर्टियम के अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को गणित के तकनीकी पक्षों पर चर्चा हुई। विद्वानों ने गणित के क्षेत्र में परम्परागत ज्ञान को बढ़ाने तथा नया जोड़ने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों के लिए युवा गणितज्ञ तैयार रहे।

आईआईटी बीएचयू में इंडियन मैथेमेटिक्स कंसोर्टियम का अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन

उन्होंने गणित के क्षेत्र में बहुत से चुनौतियों का ब्योरा दिया जिसका उत्तर अभी तक नहीं खोजा जा सका है। इस अवसर पर प्रो. रोद्दम नरसिंम्हा (बैंगलूर) व प्रो. आईबीएस पासी (चंडीगढ़) को, उनकी गणितीय विज्ञान में लम्बी व उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। जेएनयू के प्रो. कर्मेशु ने प्रो. नरसिम्हा के योगदान का संक्षिप्त विवरण दिया। प्रो. नरसिम्हा ने अपने गणितीय विज्ञान से जुड़ाव के साथ-साथ 'फ्लुयिड मैथमेटिक्स' की कुछ लम्बे वर्मा ने प्रो. पासी के योगदान के बारे में बताया और विशेषकर इस पर प्रकाश डाला कि किस तरह से उन्होंने कई पुस्तकों के लेखन के माध्यम से स्कूल स्तर से शोध स्तर पर प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने विशेषकर प्रो. पासी के 'बीजगणित' की विधाओं में, अन्तराष्ट्रीय स्तर के शोध से अपना योगदान देते रहें है।

इस कार्यक्रम में टीआईएमसी की पत्रिका 'भावना' का भी इसके सम्पादक प्रो. सीएस अरविन्दा (टीआईएफआर, बैंगलूरू) व मंच पर बैठे सभी विशिष्ठ गणितज्ञों ने विमोचन किया। प्रो. अरविन्दा ने 'भावना' की उत्पत्ति पर प्रकाश डाला व इसे उत्कृष्टता पर पहुंचानें में कई अन्य सहयोगियों के योगदान को याद किया, विशेषकर नित्यानन्द राव, सुधीर राव व विशाखा दत्ता (सभी बैंगलूरू से)। इसी कड़ी में 'गणित में महिलाएं' विषय पर एक 'पैनल-चर्चा' भी आयोजित की गयी जिसकी समन्वयक अंबेडकर विवि दिल्ली प्रो. गीता वेंकटरमन रही। टर्की से आयी प्रो. बेतुल टेमबै, जो टर्किश मैथमैटिकल सोसायटी की पहली

सम्मेलन में युवा गणितज्ञों को दी बेहतर खोज करने की चुनौती

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित सेमिनार में बोलते प्रो. इलियास बर्ग।

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित सेमिनार में आयोजित इंडियन मैथमेटिक्स कंसोर्टियम के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को बंगलुरु से आए प्रो. रोद्दम नरसिंम्हा ने अपने गणितीय विज्ञान से जुड़ाव के साथ-साथ 'फ्लूयिड मैथमेटिक्स' की कुछ लंबे समय से अनुत्तरित प्रश्नों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने युवा गणितज्ञों को बेहतर खोज करने की चुनौती दी।

◆ प्रो. रोद्दम नरसिंम्हा प्रो. आइबीएस पासी सम्मानित

इस मौके पर प्रो. इलियास बर्ग, आइआइटी मुंबई के प्रो. जुगल वर्मा, प्रो. सीएस अरविंदा ने भी विचार रखे। 'गणित में महिलाएं' विषय पर एक पैनल-चर्चा भी की गई। अंबेडकर विश्वविद्यालय नई दिल्ली की प्रो. गीता वेंकटरमन व प्रो. बेतुल ने गणित को तकनीक से जोड़ने की बात की। इस दौरान प्रो. रोद्दम नरसिम्हा (बैंगलूर) व प्रो. आइबीएस पासी (चंडीगढ़) को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी गणितीय विज्ञान में लम्बी व उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिया गया।

गणित बदल देगा जीने का सलीका

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

अमेरिकन मैथमेटिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. राबर्ट ब्रायंट ने कहा है कि गणित बहुत फायदेमंद विषय है। इसे सिस्टम से पढ़ने और समझने की जरूरत है। यह जीवन जीने का सलीका बदल सकता है।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में गणित में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रो. राबर्ट ने कहा कि गणित पर हो रहे शोध व अन्य कार्यों में अमेरिकन सोसायटी पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने महिलाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इंडियन मैथमेटिकल कंसोर्टियम के अध्यक्ष प्रो. रवि कुलकर्णी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने की।

कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के डायरेक्टर प्रो. बच्चा सिंह ने भी विचार रखे। संचालन प्रो. सुषमा त्रिपाठी तथा धन्यवाद संयोजक डॉ. वेंकटेश्वर तिवारी ने किया। कार्यक्रम में 15 देशों के 200 प्रतिभागी शामिल।

प्रो. राबर्ट ब्रायंट, अध्यक्ष-अमेरिकन मैथमेटिकल सोसायटी

गणित में सामने पैसा नहीं दिखता है: राजस्थान विवि के शिक्षक व रामानुजम मैथ सोसायटी के सचिव प्रो. एपी सिंह ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि गणित के क्षेत्र में कॅरियर में युवाओं को सामने पैसा नहीं दिखता है इसलिए वह इससे कतराते हैं। उन्होंने कहा कि गणित लोगों की मानसिक क्षमता को बढ़ाती और तर्कशक्ति को मजबूत करती है। गणित हर वर्ग और उम्र के लोगों को एक बराबर फायदा दे सकती है। जरूरत है कि इसे पहचाना जाए।

आतंकी कोड का तोड़

दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. बीके दास ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि गणित में क्रिप्टोग्राफी एक मेथड है जिससे आतंकियों के कोड को भी डिकोड किया जाता है। क्रिप्टोग्राफी के लिए विशेषज्ञ **स्पेशल ट्रेनिंग देते हैं ताकि आतंकियों के** कोड पकड़े जा सके। उन्होंने हाल में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से चार मोबाइल ऐप को लेकर जारी चेतावनी का जिक्र करते हुए कहा कि इन ऐप में गड़बड़ी का पता क्रिप्टोग्राफी से ही चलता है।

गणित को प्राथमिक विषय बनाना होगा : इंडियन मैथमेटिकल कंसोर्टियम के उपाध्यक्ष प्रो. कर्मेशू ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि गणित को प्राथमिक विषय बनाना होगा। उन्होंने कहा कि गणित से चिंतन क्षमता का विकास होता है किंतु कंप्यूटर ने इसे कम किया है। उन्होंने बताया कि वित्त, मार्केट, मेडिकल आदि क्षेत्रों में गणित से जुड़े नए एप्लीकेशन विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा कि डिजिट का बहुत महत्व है।